



तारा-तारणी शक्तपिठि

उड़िष्यार शक्तपिठि मा तारा-तारणी मन्दिरि!*

उड़िष्यार गङ्गामे रुशकिल्या नदीतीरे कुमारी पाहाडे मनोमुग्धकर तारा तारणी महा शक्तपिठि।

उड़िष्यार अन्यतम प्राचीन এই शक्तपिठे सतीर स्तन पड्छेलि बलके कथति। दैवीके मा तारा दैवी रूपे पूजा करा हय। उड़िष्यार प्रतविाडति प्रधान दैवी हसिबे पूजति हन। এই पीठटि ब्रह्मपुररे उत्तरे ३०कमि दुरे पाहाड, चूडाय, अवस्थति।